



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 64]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 19, 1986/फाल्गुन 28, 1907

No. 64]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 19, 1986/PHALGUNA 28, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1986

अधिसूचना

सं. एक 4 (5) डब्ल्यू एण्ड एम/85 --- 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (पांचवां निर्गम) के लिए 225 करोड़ रुपये की कुल राशि के बांटे 24 मार्च 1986 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। पारक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 24 मार्च 1986 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 225 करोड़ रुपये में अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक या यथासंभव उसके निकट अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋण की कुल अभिदान राशि अधिसूचित रकम और दस प्रतिशत की उक्त राशि, जो ऊपर कहे अनुसार रख ली जा सकती है, से अधिक हो तो ऋण के संदर्भ में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जायेगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जायेगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जायेगा।

3. स. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई 2015 को सममूल्य पर प्रतिवेद्य 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (पांचवां निर्गम)

- (i) बापसी अदायगी की तारीख —ऋण 21 मई 2015 को सममूल्य पर बापस अदा किया जायेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 24 मार्च 1986 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 24 मार्च 1986 से 20 मई 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 21 मई 1986 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 नवंबर और 21 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 6 और 7 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

पूरक व्यवस्थाएं

4. आवेदन-पत्र केवल निम्नलिखित कार्यालयों में ही स्वीकार किये जायेंगे।

अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय।

5. ब्याज अदा करने का स्थान इस ऋण पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालय तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा भिक्किम राज्यों का छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

6. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की बापसी अदायगी उन ऋण धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राप्ति किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

7. अब जारी किये जाने वाले ऋण पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों में मिलनेवाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ड के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

8. अब जारी किये जाने वाले ऋण में किये जानेवाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

9. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी:—

- (i) स्टॉक प्रमाणपत्र, या
- (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेखन न करें, तो स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जायेंगी।

10. ऋण के लिए आवेदन-पत्र:—ऋण के लिए आवेदनपत्र रु. 1000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

11. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

12. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। चेक भारतीय रिजर्व बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

13. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों को उसके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मध्यस्थता से ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे

को दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक—राजिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिमानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलालों को अदायगी के लिए श्रृणु जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश में,
के. एम. शास्त्री, संयुक्त सचिव

आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम*—-----इसके साथ रु. -----

(पूरा/पूरे नाम)

(-----रु.) के लिए नकदी* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें*-----नीचे

चैक

उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों के वचनपत्र/पत्रों* के रूप में रु. -----के

स्टाक प्रमाणपत्र

सांकेतिक मूल्य की 11.50 प्रतिशत श्रृणु, 2015 (पांचवां निर्गम) की प्रतिभूतियां जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु. -----का (के)‡ -----वचन-पत्र

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं* कि उनका ब्याज -----में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पण:— इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।

प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	आद्याक्षर	दिनांक	
आवेदन पत्र सं.-----			
“दलाली नहीं” मुहर-----			हस्ताक्षर
नकदी प्राप्त होने की तारीख-----			
चैक वसूल होने की तारीख-----			पूरा (पूरे) नाम
विशेष खालू खाते में जमा करने की तारीख-----			पता-----
जांच की गयी-----			
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया-----			
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया-----			दिनांक मार्च 1986
मांग पत्र सं.-----			
प्रतिभूति सं.-----			
कार्ड सं.-----			
वाउचर पारित करने की तारीख-----			

*जो आवश्यक न हों उसे काट दिया जाए।

‡वचनपत्र रु० 1,000, रु. 5,000, रु. 10,000 रु० 25,000 रु. 50,000 और रु. 1,00,000 के मूल्य दर्ज में जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हों उसका यहां उल्लेख करें।

- टिप्पणियां. (1) प्रत्येक ऋण, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण के प्रत्येक प्रकार का प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएँ।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालयों में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएँ :—
- (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाल प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
 - (ii) कंपनी/निकाय के शापना पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप नियमों का प्रमाणित प्रतिलिपियां
 - (iii) कंपनी/निकाय का आंतर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प को प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टोक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छायांकित ब्याज के प्रेषण के लिए प्रावेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 19th March, 1986

NOTIFICATION

No. F.4(5)W&M/85.—Subscriptions for the issues of 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fifth Issue) for an aggregate amount of Rs.225 crores will be received in the form of cash on the 24th March 1986 upto the close of Banking hours. In the event of 24th March 1986 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions receive upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 225 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loan exceed the notified figure plus the amount of ten per cent. retainable as aforesaid, partial allotment will be made in respect of the loan on a proportionate basis. If partial allotment is made the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fifth Issue) issued at Rs.100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May 2015.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st May 2015.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs.1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 24th March 1986. Interest for the period from 24th March 1986 to 20th May 1986 (inclusive) will be paid on 21st May 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

4. Applications will be received only at—

Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculia)
Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum.

5. Place of Payment of Interest—Interest on the Loan will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

6. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

7. Interest on the Loan now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

8. The value of investments in the Loan now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

9. The Securities will be issued in the form of :—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Stock Certificates.

10. APPLICATIONS FOR THE LOAN—APPLICATIONS FOR THE LOAN MUST BE FOR RS.1000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

11. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

12. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques should be drawn in favour of the Reserve Bank of India.

13. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs.100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loan tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loan tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loan.

By order of the President,
K. S. SASTRY, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*
 [Full name(s) in Block Letters]

herewith tender *Cash Rs. (Rupees)
 Cheque for

.....) and request that Secarities of 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fifth Issue) of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate.

..... Promissory Note(s) † of Rs. each.
 Promissory Note(s) † of Rs. each.
 Promissory Note(s) † of Rs. each.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office.			Signature(s)
	Initials	Date	Name(s) in full (Block Letters)
Application No.
N.B. Stamp		
Cash		
Received on
Cheque Realised on
Credited to Special Current		
Account on			Address
Examined
Cash Applications		
Register Posted
Brokerage Register Posted
Indent No.
Scrip No.
Card No.			Dated the of
Voucher passed on			March 1986.

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs.1,000, Rs. 5,000, Rs.10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs.1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes : (1) Separate applications should be made for each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.